ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय

कामेश्वरनगर, दरभंगा–846004

विद्वत परिषद् की बैठक दिनांक 24.07.2019 का कार्यवृत्त

समयः 12:30 बजे **स्थानः विश्वविद्यालय जुबली हॉल**

उपस्थिति

1.	प्रो0 सुरेन्द्र कुंमार सिंह, कुलपति	–	अध्यक्ष
2.	प्रो0 जय गोपाल	–	सदस्य
3.	डॉ0 मनोज कुमार झा	–	सदस्य
4.	डा0 श्रीमती निरजा मिश्रा	–	सदस्य
5.	डा0 नन्द कुमार	–	सदस्य
6.	डा0 जया नन्द मिश्र	–	सदस्य
7.	डा0 अभिलाष कुमार दत्ता	–	सदस्य
8.	डा0 मो0 रहमतुल्ला	–	सदस्य
9.	डा0 अरूणिमा सिन्हा	–	सदस्य
10.	डा0 ए0 के0 झा	–	सदस्य
11.	डा0 के0 के0 झा	–	सदस्य
12.	डा0 बिवेका नन्द झा	–	सदस्य
13.	डा0 मो0 शौकत अंसारी	–	सदस्य
14.	डा0 प्रीति झा	–	सदस्य
15.	डॉ0 बिनोद कुमार चौधरी	–	सदस्य
16.	डा0 मुश्ताक अहमद	–	सदस्य
17.	प्रो0 एन0 एन0 चौधरी	–	सदस्य
18.	डा0 दिलीप कुमार	–	सदस्य
19.	डा0 श्याम चन्द्र गुप्ता	–	सदस्य
20.	प्रो0 चन्द्रभानु प्रसाद सिंह	–	सदस्य
21.	डा0 स्वपना चौधरी	–	सदस्य
22.	प्रो0 बिमलेन्दु शेखर झा	–	सदस्य
23.	प्रो0 अनिल कुमार झा	–	सदस्य
24.	प्रो0 लावण्या किर्ती सिंह काव्या	–	सदस्य
25.	डा0 निर्मला झा	–	आमंत्रित सदस्य
26.	डा0 अजीत कुमार चौधरी	–	आमंत्रित सदस्य
27.	कर्नल एन0 के0 राय, कुलसचिव	–	सचिव

कार्यवाही के प्रारम्भ में बैठक में उपस्थित सदस्यों का स्वागत किया गया। तद्उपरान्त अध्यक्ष महोदय की अनुमति से कुलानुशासक द्वारा बैठक की विधिवत् कार्यवाही प्रारम्भ की गयी। बैठक की शुरूआत में कुलानुशासक द्वारा सभी माननीय सदस्यों को सूचित किया गया बहुत अल्प सूचना के आधार पर ये बैठक आहूत की गयी है। इसके बावजूद माननीय सदस्यों की उपस्थिति हेतु धन्यवाद ज्ञापित किया। कुलानुशासक द्वारा आज के इस बैठक के उद्देश्य को सदन के समक्ष रखा। प्रारंभ में डॉ0 बिनोद कुमार चौधरी द्वारा प्रति कुलपति महोदय को Vision – 2030 तैयार करवाने पर उनका अभिनंदन एवं बधाई दी। उन्होंने अपने संबोधन में कहा की इस मामले पर प्रति कुलपति महोदय काफी गंभीर थे, उन्होंने खुद इसको अपने देख–रेख में किया तथा जहॉ कहीं भी जरूरत पड़ी वहाँ उन्होनें खुद संशोधन किया। इस कार्य हेतु पुरे विद्वत परिषद् की ओर से प्रति कुलपति महोदय को बधाई दिया गया। साथ ही अल्प समय में बैठक आहूत करने के लिए डॉ0 अजीत कुमार चौधरी को भी बधाई दी गई। डॉ0 बिवेका नन्द झा ने विजन 2030 के संबंध में कहा कि हम विजन 2030 तो तैयार कर लिये,

पर ये विजन किनके लिए, कैम्पस के लिए, कैम्पस किनके लिए, तो कैम्पस छात्र–छात्राओं के लिए। उन्होंने यह भी कहा की इस विजन 2030 में उन तमाम आयामों को भी जोड़ा जाय जिससे महाविद्यालय/विभागों में छात्र/छात्राओं से गुलजार हो सके। इस पर प्रति कुलपति महोदय ने सूचित किया कि ये विजन विश्वविद्यालय के लिए तैयार किया गया है, महाविद्यालय स्तर पर भी विजन 2030 तैयार करेंगे उसमें उन सारी चीजों को शामिल किया जायेगा।

मद सं0 1 विद्वत परिषद् की गत बैठक दिनांक 07.06.2019 के कार्यवृत्त की सम्पुष्टि पर विचार।

निर्णयः **विद्वत परिषद् की गत बैठक दिनांक 07.06.2019 के कार्यवृत्त को सम्पुष्ट किया गया।**

मद सं0 2. विद्वत् परिषद् की गत बैठक दिनांक 07.06.2019 की कार्यवृत के अनुपालन प्रतिवेदन पर विचार।

निर्णय : **विद्वत परिषद् की गत बैठक दिनांक 07.06.2019 की कार्यवृत्त के अनुपालन प्रतिवेदन पर सदस्यों द्वारा संतोष व्यक्त किया गया ।**

मद सं0 3 Approval of Vision 2030 of the University

निर्णय : **The details of Vision 2030 was presented by the Pro Vice-Chancellor in the house. He stated that the whole Vision 2030 of each department is divided into three major components. These three Components are:**

- **(A)** ***Introduction,***
- **(B)** ***Major Achievement and,***
- **(C)** ***Future plan.***

Pro Vice-Chancellor stated that the draft of the final Vision 2030 is almost ready and is in the final stage of Printing. It will be released and published on the Foundation Day of the University; 5th August, 2019.
The Vision 2030 of the University was unanimously approved by the Academic Council.

मद सं0 4. परीक्षा तालिका वर्ष 2019–20 में आंशिक संशोधनोपरान्त विद्वत परिषद् में अनुमोदनार्थ उपस्थापित।

निर्णय : **वर्ष 2019–20 के परीक्षा तालिका (Examination Calender) में किये गये आंशिक संशोधन को सर्वसम्मति से विद्वत परिषद् ने अनुमोदित किया।**

मद सं0 5. एम0बी0ए0 सी0बी0सी0एस0 कोर्स हेतु समेकित रूप से एम0बी0ए0 प्रथम, द्वितीय, तृतीय एवं चतुर्थ सेमेस्टर का नियमावली तैयार कर विद्वत परिषद् से घटनोत्तर स्वीकृति (post facto) हेतु उपस्थापित।

निर्णय : **एम0बी0ए0 सी0बी0सी0एस0 कोर्स हेतु समेकित रूप से एम0बी0ए0 प्रथम, द्वितीय, तृतीय एवं चतुर्थ सेमेस्टर का तैयार नियमावली को विद्वत परिषद् ने घटनोत्तर स्वीकृति** (post facto) **प्रदान की।**

मद सं0 6. **अतिरिक्त मद, यदि कोई हो (अध्यक्ष की अनुमति से)।**

अति0 मद सं0 01 दिनांक 25.06.2019 को C.B.C.S. (द्वितीय सेमेस्टर) नियमावली लागू करने हेतु अध्यक्ष, छात्र कल्याण के अध्यक्षता में एक बैठक की गयी जिसमें यौगिक साईन्सेज के सैद्धांतिक एवं प्रायोगिक परीक्षा की अवधि पर विचार गया एवं सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि सैद्धांतिक पत्र की अवधि 02 (दो) घंटे तथा प्रायोगिक परीक्षा केन्द्र का निर्धारण परीक्षा प्रपत्र भरने के बाद परीक्षार्थियों की संख्या को देखते हुए किया जाय।

निर्णय : **दिनांक 25.06.2019 को C.B.C.S. (द्वितीय सेमेस्टर) नियमावली लागू करने हेतु अध्यक्ष, छात्र कल्याण के अध्यक्षता में एक बैठक की गयी जिसमें यौगिक साईन्सेज के सैद्धांतिक एवं प्रायोगिक परीक्षा की अवधि पर विचार गया एवं सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि सैद्धांतिक पत्र की अवधि 02 (दो) घंटे तथा प्रायोगिक परीक्षा केन्द्र का निर्धारण परीक्षा प्रपत्र भरने के बाद परीक्षार्थियों की संख्या को देखते हुए करने हेतु प्रस्ताव को सर्वसम्मति से विद्वत परिषद् ने अनुमोदित किया।**

अति0 मद सं0 02 परीक्षा परिषद् की बैठक दिनांक 27.06.2019 के निर्णय संख्या – अन्यान्य (क) में माननीय कुलाधिपति महोदय के सचिवालय द्वारा प्रेषित C.B.C.S नियमावली के अनुसार दर्शनशास्त्र विषय के पाठ्यक्रम में कतिपय विसंगति है जिसे विभागाध्यक्ष महोदय द्वारा दूर कर दिया गया है। सर्वसम्मति से इसे स्वीकार करते हुए विद्वत परिषद् के समक्ष स्वीकृतार्थ रखने का निर्णय लिया गया। सुधार के अनुरूप ही स्नातकोत्तर द्वितीय सेमेस्टर परीक्षा का आयोजन करने का भी निर्णय लिया गया।

निर्णय : **परीक्षा परिषद् की बैठक दिनांक 27.06.2019 के निर्णय संख्या – अन्यान्य (क) में माननीय कुलाधिपति महोदय के सचिवालय द्वारा प्रेषित C.B.C.S नियमावली के अनुसार दर्शनशास्त्र विषय के पाठ्यक्रम में कतिपय विसंगति है जिसे विभागाध्यक्ष महोदय द्वारा दूर कर दिया गया है। सर्वसम्मति से विद्वत परिषद् इसे स्वीकार करते हुए सुधार के अनुरूप ही स्नातकोत्तर द्वितीय सेमेस्टर परीक्षा का आयोजन करने का निर्णय लिया गया।**

अति0 मद सं0 03 दिनांक 28.05.2019 को C.B.C.S. (द्वितीय सेमेस्टर) नियमावली लागू करने हेतु अध्यक्ष, छात्र कल्याण के अध्यक्षता में एक बैठक की गयी जिसमें स्नातकोत्तर द्वितीय सेमेस्टर सत्र 2018–20 के कौशल संवर्द्धन पाठ्यक्रम में ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय में तत्काल तीन विकल्प चयनित है –

1. यौगिक साईन्सेज के प्रश्न नत्र के चयन हेतु विभागाध्यक्ष, दर्शनशास्त्र विभाग, ल0ना0मि0विश्वविद्यालय, दरभंगा को अधिकृत किया गया है एवं परिशोधन त्रिसदस्यीय समिति के द्वारा होना है जिसके सदस्य संकायाध्यक्ष, सामाजिक विज्ञान, संकायाध्यक्ष, मानविकी तथा प्रो0 अमरनाथ झा, प्राचार्य, दर्शनशास्त्र विभाग होगे।
2. कम्प्यूटर एण्ड आई0टी0सी0 के प्रश्न–पत्र का चयन हेतु विभागाध्यक्ष, गणित विभाग, ल0न0मिथिला विश्वविद्यालय, दरभंगा को अधिकृत किया गया है एवं परिशोधन त्रिसदस्यीय समिति के द्वारा होना है जिसके सदस्य संकायाध्यक्ष, विज्ञान, संकायाध्यक्ष वाणिज्य तथा विभागाध्यक्ष, गणित विभाग, ल0ना0मि0 विश्वविद्यालय होगे।
3. ईनवायरमेंटल लॉ एण्ड पालिसी के प्रश्न–पत्र का चयन हेतु विभागाध्यक्ष, रसायनशास्त्र विभाग, ल0ना0मि0विश्वविद्यालय, दरभंगा को अधिकृत किया गया है एवं परिशोधन त्रिसदस्यीय समिति के द्वारा होना है जिसके सदस्य संकायाध्यक्ष सामाजिक विज्ञान, संकायाध्यक्ष वाणिज्य तथा विभागाध्यक्ष, रसायनशास्त्र विभाग, ल0ना0मि0 विश्वविद्यालय होगे।

अतः यह निर्णय विद्वत परिषद् के अनुमोदनार्थ उपस्थापित।

निर्णय : **दिनांक 28.05.2019 को C.B.C.S. (द्वितीय सेमेस्टर) नियमावली लागू करने हेतु अध्यक्ष, छात्र कल्याण के अध्यक्षता में एक बैठक की गयी जिसमें स्नातकोत्तर द्वितीय सेमेस्टर सत्र 2018–20 के कौशल संवर्द्धन पाठ्यक्रम में ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय में तत्काल तीन विकल्प चयनित है –**

1. **यौगिक साईन्सेज के प्रश्न नत्र के चयन हेतु विभागाध्यक्ष, दर्शनशास्त्र विभाग, ल0ना0मि0विश्वविद्यालय, दरभंगा को अधिकृत किया गया है एवं परिशोधन त्रिसदस्यीय समिति के द्वारा होना है जिसके सदस्य संकायाध्यक्ष, सामाजिक विज्ञान, संकायाध्यक्ष, मानविकी तथा प्रो0 अमरनाथ झा, प्राचार्य, दर्शनशास्त्र विभाग होगे।**
2. **कम्प्यूटर एण्ड आई0टी0सी0 के प्रश्न–पत्र का चयन हेतु विभागाध्यक्ष, गणित विभाग, ल0न0मिथिला विश्वविद्यालय, दरभंगा को अधिकृत किया गया है एवं परिशोधन त्रिसदस्यीय समिति के द्वारा होना है जिसके सदस्य संकायाध्यक्ष, विज्ञान, संकायाध्यक्ष वाणिज्य तथा विभागाध्यक्ष, गणित विभाग, ल0ना0मि0 विश्वविद्यालय होगे।**
3. **ईनवायरमेंटल लॉ एण्ड पालिसी के प्रश्न–पत्र का चयन हेतु विभागाध्यक्ष, रसायनशास्त्र विभाग, ल0ना0मि0 विश्वविद्यालय, दरभंगा को अधिकृत किया गया है एवं परिशोधन त्रिसदस्यीय समिति के द्वारा होना है जिसके सदस्य संकायाध्यक्ष सामाजिक विज्ञान, संकायाध्यक्ष वाणिज्य तथा विभागाध्यक्ष, रसायनशास्त्र विभाग, ल0ना0मि0 विश्वविद्यालय होगे।**

उपरोक्त निर्णय को विद्वत परिषद् ने सर्वसम्मति से अनुमोदित किया।

अति० मद सं० 04 परीक्षा परिषद् की बैठक दिनांक 03.05.2019 के निर्णय संख्या 04 में स्नातकोत्तर प्रथम सेमेस्टर (सत्र 2018–20) C.B.C.S. आधारित है, जिसके आधार पर उक्त परीक्षा का परीक्षाफल घोषित होना है। परन्तु राजभवन से प्राप्त नियम–परिनियम को लागू करने में आंशिक त्रुटि हुई है। अतः उपर्युक्त नियम–परिनियम के आलोक में परीक्षाफल प्रकाशन पर विचार।
यह निर्णय विद्वत परिषद् के अनुदमोनार्थ उपस्थापित।

निर्णयः **परीक्षा परिषद् की बैठक दिनांक 03.05.2019 के निर्णय संख्या 04 में स्नातकोत्तर प्रथम सेमेस्टर (सत्र 2018–20) C.B.C.S. आधारित है, जिसके आधार पर उक्त परीक्षा का परीक्षाफल घोषित होना है। परन्तु राजभवन से प्राप्त नियम–परिनियम को लागू करने में आंशिक त्रुटि हुई है। जिसपर सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि राजभवन के दिशा–निर्देश का शत प्रतिशत पालन करते हुए परीक्षाफल प्रकाशित किया जाय।**

अति०मद सं० 05 परीक्षा परिषद् की बैठक दिनांक 06.02.2019 के निर्णय संख्या 08 में मिथिला माईनोरिटि डेन्टल कालेज, लहेरियासराय, दरभंगा को MDS सत्र 2016–19 एवं 2017–20 की फाईनल परीक्षा के आयोजन हेतु परीक्षा कार्यक्रम प्रकाशित करते हुए केन्द्रीय स्वास्थ्य सचिव के नाम पत्र भेजे जाने का निर्णय लिया गया। सत्र 2017–20 की परीक्षा अपने समय पर करायी जायेगी।
अतः यह निर्णय विद्वत परिषद् के अनुमोदनार्थ उपस्थापित।

निर्णयः **प्रस्ताव को सर्वसम्मति से विद्वत परिषद् ने अनुमोदित किया।**

अन्यान्य मद सं० 1 **डॉ० बिनोद कुमार चौधरी ने सदन को सूचित किया कि Economically Backward Class के लिए 10%** reservation **का निर्धारण U.G.C. ने किया है। उन्होने इस प्रस्ताव को विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालय स्तर पर भी लागू करने का प्रस्ताव दिया, जिसे सर्वसम्मति से पारित किया गया।**

अन्यान्य मद सं० 2 **डॉ० बिनोद कुमार चौधरी ने प्रस्ताव रखा कि ब्रह्मानंद कला महाविद्यालय, दरभंगा जिन्हें पूर्व में संस्कृत विश्वविद्यालय से संबंधन प्राप्त था, उनके प्रधानाचार्य अब ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय से संबंधन प्राप्त करना चाहते है। इस संबंध में निर्णय लिया गया कि संबंधित प्रधानाचार्य संबंधन प्राप्त करने हेतु विश्वविद्यालय में आवेदन करेंगें तदनुसार नियमानुसार उनके संबंधन पर विचार किया जायेगा।**

बैठक के अंत में कुलानुशासक द्वारा सदस्यों की उपस्थिति एवं महत्वपूर्ण सुझाव के साथ–साथ सक्रिय भागीदारी तथा सफल संचालन में सहयोग देने के लिए धन्यवाद ज्ञापित करते हुए अध्यक्ष की अनुमति से बैठक समाप्ति की घोषणा की गयी।

अनुमोदित।

ह0 / –
कर्नल एन0के0 राय
कुलसचिव–सह–सचिव

ह0 / –
प्रो0 सुरेन्द्र कुमार सिंह
कुलपति–सह–अध्यक्ष

ज्ञापांकः– LB-514/19
दिनाकः– 24-7-2019

प्रतिलिपि प्रेषितः–

1. **विद्वत परिषद के सभी माननीय सदस्य,** ल0 ना0 मि0 वि0 दरभंगा।
2. **विश्वविद्यालय के सभी पदाधिकारी,** ल0 ना0 मि0 वि0 दरभंगा।
3. **कुलपति के सचिव / प्रतिकुलपति के निजी सहायक / कुलसचिव के निजी सहायक,** ल0ना0मि0वि0 दरभंगा को सूचनार्थ एंव आवश्यक कार्यार्थ।

कुलसचिव

8212 24.7.19